भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3485
21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तपेदिक जांच के लिए एआई उपकरण

†3485. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तपेदिक जांच के लिए अपरीक्षित एआई उपकरणों का उपयोग करने के लिए कहा गया है, इस तथ्य के बावजूद कि इन्हें कार्यक्रमिक कार्यान्वयन के लिए अनुशंसित नहीं किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को केवल डीपसीएक्सआर टूल का उपयोग जनवरी 2025 के अंत में ही करने को कहा गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या यह सच है कि 2025 तक तपेदिक उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना असंभव हो गया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल अपनाए हैं, जिनका परीक्षण और सत्यापन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा किया गया है। आईसीएमआर द्वारा डीपसीएक्सआर टूल की सरकार को सिफारिश की है और यह राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के तहत उपयोग के लिए इसे अपनाया गया है।

सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को क्रियान्वित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2024 में भारत सरकार के प्रयासों को निम्नलिखित उपलब्धियों के लिए सराहना की है:

- भारत में टीबी की व्याप्तता दर वर्ष 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 से वर्ष 2023 में प्रति लाख जनसंख्या पर 195 है जो 17.7% की गिरावट दर्शाती है।
- टीबी से होने वाली मौतें वर्ष 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से वर्ष 2023 में प्रति लाख जनसंख्या पर 22 है जो 21.4% कम हुई हैं।
- भारत में टीबी उपचार कवरेज वर्ष 2015 में 53% से 32% बढ़कर 2023 में 85% हो गया है।
- जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की अंतिम-छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित करने में भारत के प्रयासों को इस रिपोर्ट में सराहना की गई है।

******